TATA POWER-DDL

कॉर्पोरेट सोशल रिस्पॉन्सिबिलिटी (सीएसआर) पॉलिसी

सूचकांक

ए. सीएसआर पॉलिसी

बी. सीएसआर विज़न

सी. सीएसआर मिशन

डी. तरीका

असाइनमेंट 1:

ए. विवरण का मुख्य उद्देश्य

बी. सीएसआर कार्यक्रमों का लक्ष्य

असाइनमेंट 2:

ए. क्षेत्र और मुद्दे

बी. भौगोलिक दायरा

असाइनमेंट 3:

ए. क्रियान्वयन प्रक्रिया

बी. निगरानी एवं समीक्षा प्रक्रिया

सी. आकलन प्रक्रिया

असाइनमेंट 4:

ए. सीएसआर परियोजनाओं के क्रियान्वयन की विस्तृत जानकारी

असाइनमेंट 5:

सीएसआर वार्षिक रिपोर्टिंग ढांचा

असाइनमेंट 6:

सीएसआर कमिटी के सदस्य

TATA POWER-DDL

ए. सीएसआर पॉलिसी

टाटा समूह का हिस्सा होने के नाते टाटा पावर-डीडीएल भी समाज को लौटाने की टाटा समूह की संस्कृति में विश्वास रखती है। सुविधाओं से वंचित समुदायों, वर्गों और देश के समग्र विकास की टाटा समूह समृद्ध धरोहर और बेजोड विरासत सामुदायिक विकास गतिविधियों को अपनाने में मार्गदर्शक की भूमिका निभाती हैं। टाटा पावर-डीडीएल सामाजिक कल्याण को बढ़ावा देने और कारोबार के लिए अधिक प्रशंसा हासिल करने के लिए प्रतिबद्ध है। सामुदायिक आउटरीच प्रोग्राम्स, ट्रिपल बॉटम लाइन पर काम करने के तरीके से इसका उद्देश्य एक सुनियोजित और व्यवस्थित ढंग से ज़रूरतमंद समुदायों की सेवा करना है।

कंपनी के परिचालन क्षेत्र में 200 से अधिक जेजे क्लस्टर और रिसेटलमेंट कॉलोनी, अनाधिकृत कॉलोनी और गांव पड़ते हैं। जेजे क्लस्टरों में रहने वाले अधिकतर निवासी मुख्य रूप से विभिन्न समुदायों, संस्कृतियों, नस्ल और संप्रदायों से आते हैं जो अपने मूल निवास स्थान से दूर हैं। टाटा पावर-डीडीएल अपनी कारोबारी सामाजिक दायित्व (सीएसआर) गतिविधियों के ज़रिए टाटा पावर-डीडीएल 2.0 रणनीति के तहत अपने परिचालन क्षेत्र के आसपास के दायरे में मौजूद जेजे क्लस्टरों/रिसेटलमेंट कॉलोनी/गांवों के निवासियों का सामाजिक कल्याण सुनिश्चित करने के लिए प्रतिबद्ध है।

इन क्लस्टरों में अनुसूचित जाति/अनुसूचित जनजाति (एससी/एसटी) समुदायों का प्रतिनिधित्व बड़ी संख्या में है जो वहां विभिन्न विकास गतिविधियां करने की ज़रूरत पर ज़ोर देता है। टाटा पावर-डीडीएल के सीएसआर प्रोग्राम को मदर ब्रांड साथी के तहत पुनर्गठित और रिब्रांड किया गया है जिसके मार्गदर्शक सिद्धांत हैं उन्नति (महिला एवं युवा सशक्तीकरण), उज्जवल (एससी/एसटी समुदायों को समर्थन), संजीवनी (स्वास्थ्य) और क्लब एनर्जी (पर्यावरण), जिनका उद्देश्य टाटा पावर-डीडीएल के बिजली आपूर्ति क्षेत्र और टाटा पावर-डीडीएल की कारोबारी विकास परियोजनाओं के भौगोलिक दायरे में आने वाले समाज के सुविधाओं से वंचित वर्ग की सेवा करना है।

टाटा पावर-डीडीएल कंपनीज़ ऐक्ट 2013 के प्रावधानों और उसमें बताए गए नियमों के अनुसार अपनी सीएसआर गतिविधियों को दायित्व निभाते हैं। सीएसआर गतिविधियों से मिलने वाली अधिशेष राशि कंपनी के कारोबारी लाभ का हिस्सा नहीं होगी और उसे उसी परियोजना में निवेश किया जाएगा या उसे सीएसआर खाते में खर्च बाकी रकम के तौर पर ट्रांसफर कर दिया जाएगा। इस रकम को कंपनी की सीएसआर पॉलिसी और वार्षिक ऐक्शन प्लान को पूरा करने में खर्च किया जाएगा या ऐसी अधिशेष रकम को वित्त वर्ष समाप्त होने के 6 माह के भीतर शेड्यूल VII के तहत आने वाले कोष में हस्तांतरित किया जाएगा।

तारीख: 13 अक्टूबर, 2021

गणेश श्रीनिवासन
मुख्य कार्यकारी अधिकारी

TATA POWER-DDL

बी. सीएसआर विज़न:

टाटा पावर—डीडीएल के सीएसआर विज़न का लक्ष्य शिक्षा उपलब्ध कराकर, सशक्तीकरण और स्वास्थ्य सेवाएं उपलब्ध कराकर सामाजिक व आर्थिक असमानता को घटाना है। इसके लिए कंपनी अपने वितरण क्षेत्र में आने वाली 10 लाख की आबादी पर ध्यान केंद्रित कर रही है।

सी. सीएसआर मिशन:

"जिन समुदायों के बीच में हम परिचालन करते हैं उनकी मदद करना" टाटा पावर-डीडीएल के मिशन विवरण का अभिन्न हिस्सा है। टाटा पावर-डीडीएल अपने परिचालन क्षेत्र के आसपास रहने वाले समुदायों के साथ मिलकर निम्नलिखित मुख्य क्षेत्रों पर काम कर रही है:

1. महिलाओं, बच्चों और समाज के वंचित वर्ग के लिए शिक्षा।
2. किफायती वोकेशनल ट्रेनिंग तक सभी के लिए समान पहुंच और युवाओं को रोज़गारों के लिए तैयार करना।
3. प्राथमिक स्वास्थ्य सुविधाओं और जेजे क्लस्टरों के निवासियों के बीच जागरूकता बढ़ाना।
4. महिलाओं को जीविकोपार्जन और उद्यमशीलता विकास का प्रशिक्षण।
5. स्वस्थ एवं साफ पर्यावरण निर्माण के लिए बच्चों को संवेदनशील बनाना।
6. स्वच्छ पेयजल और जल संरक्षण।

डी. भविष्य के लिए रवैया:

1. हितधारकों के सहयोग से सामुदायिक संस्थानों का निर्माण करना व उन्हें मज़बूत बनाना।
2. लोक समाज संगठनों/गैर-सरकारी संगठनों, टाटा समूह की अन्य कंपनियों, सरकारी संस्थानों, बहुराष्ट्रीय एजेंसियों इत्यादि के साथ मिलकर काम करना।
3. अपने कर्मचारियों को सेवा करने के लिए प्रोत्साहित करना।
4. इस लक्ष्य के साथ सीएसआर गतिविधियों पर काम करना कि समय के साथ वे खुद वहनीय हो सकें।
5. सकारात्मक कार्य नीति के तहत लाभार्थी माने जाने वाले वर्ग को प्राथमिकता देना।
6. भविष्य में महत्वपूर्ण बनकर उभरने वाले किसी अन्य सामाजिक पहलू को भी कवर करना।

असाइनमेंट 1:

टाटा पावर-डीडीएल का मुख्य उद्देश्य विवरण

टाटा पावर-डीडीएल में हम समाज को कारोबार और हमारे परिचालन क्षेत्र में आने वाले जेजे क्लस्टरों/झुग्गियों/गांवों के निवासियों व समुदायों के जीवन की गुणवत्ता को बेहतर बनाने की कोशिश के मुख्य केंद्र के रूप में देखते हैं। हमारा मानना है कि इनोवेटिव सोशल उत्पादों व सेवाओं और लंबी अवधि में पक्षधारकों के सहयोग से काम करने से यह उद्देश्य हासिल किया जा सकता है।

टाटा पावर-डीडीएल सीएसआर प्रोग्राम्स/प्रोजेक्ट्स का उद्देश्य

सीएसआर प्रोग्राम्स/प्रोजेक्ट्स का लक्ष्य निम्नलिखित उद्देश्य हासिल करना है:

- टाटा पावर-डीडीएल के परिचालन क्षेत्र और टाटा पावर-डीडीएल की कारोबारी विकास परियोजनाओं के भौगोलिक दायरे में आने वाले जेजे क्लस्टरों, पुनर्वास/रिसेटलमेंट कॉलोनी, अनाधिकृत कॉलोनी और गांवों में रहने वाले लोगों का संपूर्ण विकास।

- आसपास रहने वाले समुदायों के साथ सक्रिय व लंबी साझेदारी विकसित करना जिससे जेजे क्लस्टरों व रिसेटलमेंट कॉलोनी, अनाधिकृत कॉलोनी व गांवों में शिक्षा, जीविकोपार्जन, सामाजिक उद्यमिता और सशक्तीकरण से जुड़ी परियोजनाओं को वहनीय बनाने, दोहराने और व्यापक स्तर पर लागू करने में मदद मिले।

- कर्मचारियों को भी इन परियोजनाओं में सेवा करने के लिए शामिल करना जिससे वे भी अपना योगदान दे सकें।

असाइनमेंट 2:

सेक्टर व मुद्दे

सीएसआर प्रोग्राम्स/प्रोजेक्ट्स में 4 ई— एजुकेशन शिक्षा, इंप्लॉयबिलिटी रोज़गारपरकता, इंप्लॉयमेंट रोज़गार और ऑन्त्रप्रेन्योरशिप उद्यमिता पर ध्यान दिया जाता है। इनके साथ ही कंपनीज़ ऐक्ट, 2013 की धारा 135 के शेड्यूल VII में उल्लिखित सेक्टरों के अनुसार निम्नलिखित सेक्टरों व मुद्दों पर भी ध्यान दिया जाता है:

इनके अलावा, हम किसी भी आपदा में मदद करेंगे, निर्भर करता है कि वे कहां हुई हैं और उनमें सार्थक रूप से अपना योगदान देंगे।

	टाटा पावर-डीडीएल साथी सीएसआर मदर ब्रंड					
कंपनी अधिनियम 2013 की अनुसूची VII, धारा 135	1 उन्नति (महिला साक्षरता, कौशल प्रशिक्षण, सहयोग, स्वयं सहायता समूह या	2 उज्ज्वल (टाटा अफर्मेटिव ऐक्शन पॉलिसी के तहत स्कॉलरशिप, मेरी पाठशाला,	3 संजीवनी (मोबाइल डिस्पेंसरी, आरओ प्लांट, प्रोजेक्ट आरोग्य, रक्तदान शिविर, नेत्र शिविर इत्यादि) 3 संजीवनी (मोबाइल डिस्पेंसरी, आरओ प्लांट, प्रोजेक्ट आरोग्य, रक्तदान शिविर, नेत्र	4 क्लब एनर्जी (एनर्जी क्लब, वृक्षारोपण)	5 ग्रामीण खेल	6 कोविड-19 रिस्पॉन्स

	एसएचजी, आभा इत्यादि)	करियर काउंसलिंग इत्यादि)	शिविर इत्यादि)			
1. भुखमरी, गरीबी और कुपोषण हटाना, प्रीवेंटिव हेल्थकेयर और साफ-सफाई समेत स्वास्थ्य हेल्थकेयर को बढ़ावा देना जिसमें केंद्र सरकार द्वारा स्थापित स्वच्छ भारत कोष में योगदान करना शामिल है जिससे स्वच्छता और सुरक्षित पेयजल की उपलब्धता को बढ़ावा मिले			√			√
2. शिक्षा को बढ़ावा देना जिसमें स्पेशल शिक्षा और रोज़गारपरकता बढ़ाने वाले वोकेशन कौशल बेहतर बनाना विशेष तौर पर बच्चों, महिलाओं, बुज़ुर्गों व दिव्यांगों के लिए और आजीविका बेहतर बनाने वाली परियोजनाएं	√	√				
3. लिंग समानता को बढ़ावा देना, महिलाओं को सशक्त बनाना, महिलाओं व अनाथ बच्चों के लिए मकान और हॉस्टल निर्माण करना; वृद्धाश्रम, डे केयर सेंटर और वरिष्ठ नागरिकों के लिए ऐसी कई सुविधाएं स्थापित करना और सामाजिक व	√	√				

आर्थिक रूप से पिछड़े समूहों के लिए असमानताएं दूर करने के कदम उठाना						
4. पर्यावरण वहनीयता, पारिस्थितिकी संतुलन, वनस्पति एवं जीव-जंतुओं का संरक्षण, पशु कल्याण, कृषिवानिकी या एग्रोफॉरेस्ट्री, प्राकृतिक संसाधनों का संरक्षण और मृदा, वायु एवं जल की गुणवत्ता बरकरार रखना जिनमें केंद्र सरकार द्वारा गंगा नदी के पुनर्जीवन के लिए स्थापित क्लीन गंगा फंड में योगदान करना भी शामिल है				√		
5. ग्रामीण खेलों, राष्ट्रीय स्तर पर मान्यता प्राप्त खेलों, पैरालंपिक खेलों और ओलंपिक खेलों को बढ़ावा देने के लिए प्रशिक्षण देना					√	
6. ग्रामीण विकास परियोजनाएं	√	√	√		√	√
7. झुग्गी क्षेत्रों का विकास करना	√	√	√		√	√
8. आपदा प्रबंधन जिसमें राहत, पुनर्वास और पुनर्निर्माण गतिविधियां भी शामिल हैं						√

टाटा पावर-डीडीएल के सीएसआर प्लान में निम्नलिखित भी शामिल है:

कंपनीज़ ऐक्ट, 2013 के शेड्यूल VII की धारा 135 में बताई गई नई परियोजनाओं पर नियमों और उनमें समय-समय पर होने वाले संशोधनों के अनुरूप काम करना।

नोट: सीएसआर प्रोग्राम्स/प्रोजेक्ट्स या गतिविधियों की अधिशेष रकम कंपनी के कारोबारी लाभ का हिस्सा नहीं होगी।

भौगोलिक एवं लक्षित समुदाय

सीएसआर प्रोग्राम्स/प्रोजेक्ट्स मुख्य रूप से उन जेजे क्लस्टरों एवं रिसेटलमेंट कॉलोनी, अनाधिकृत कॉलोनी और गांवों के निवासियों पर केंद्रित होंगे जो उत्तर और उत्तर पश्चिम दिल्ली में कंपनी के लाइसेंस क्षेत्र यानी 510 वर्ग किलोमीटर के दायरे, उसके आसपास के इलाके और टाटा पावर-डीडीएल की कारोबारी विकास परियोजनाओं के भौगोलिक दायरे में आते हैं। इसके अलावा, प्राकृतिक आपदाओं, संकट, आग या बाढ़ की स्थिति में भी टाटा पावर-डीडीएल उपयुक्त स्तर पर राहत एवं बचाव कार्यों में योगदान करेगी।

सीएसआर प्रोग्राम्स/प्रोजेक्ट्स का लक्षित समुदाय सुविधाओं से वंचित, सामाजिक एवं आर्थिक रूप से कमज़ोर पुरुष, महिलाएं, किशोर, स्कूल जाने वाले छात्र, स्कूल की पढ़ाई पूरी नहीं कर पाने वाले छात्र, एससी/एसटी, बुज़ुर्ग व्यक्ति, अनाथ, अकुशल युवा और दिव्यांग होंगे।

कुछ असाधारण मामलों में कंपनी अपने परिचालन क्षेत्र के बाहर भी सीएसआर गतिविधियों का परिचालन कर सकती है।

असाइनमेंट **3:**

क्रियान्वयन प्रक्रिया

सीएसआर प्रोग्राम्स/प्रोजेक्ट्स का क्रियान्वयन अनुभवी एनजीओ और कंपनी की सीएसआर टीमों के ज़रिए किया जाएगा जो आईएमएस प्रक्रिया के अनुसार सीएसआर प्रोग्राम्स/प्रोजेक्ट्स की पहचान करेंगी, योजना बनाएंगी, बजट बताएंगी, निगरानी, आकलन एवं रिपोर्टिंग करेंगी।

TATA POWER-DDL

निगरानी एवं समीक्षा प्रक्रिया

टाटा पावर-डीडीएल के सीएसआर प्रोग्राम्स/प्रोजेक्ट्स में लक्ष्य, लाभार्थियों की संख्या स्पष्ट होती हैं और परियोजनाओं की समयसीमा पर नज़र रखी जाती है। प्रोग्राम्स की कार्य प्रक्रिया, डिलीवरेबल्स और परिणाम की जानकारी क्रियान्वयन साझेदार के साथ होने वाले समझौते में विस्तार से बताई जाती हैं।

निगरानी प्रक्रिया में प्रोग्राम और वित्तीय समीक्षा दोनों शामिल होंगी। टाटा पावर-डीडीएल ने सीएसआर प्रोग्राम्स/प्रोजेक्ट्स का प्रभावी क्रियान्वयन सुनिश्चित करने के लिए 3 टियर निगरानी एवं समीक्षा ढांचा अपनाया हुआ है:

नोट*- सीएसआर कमिटी समय-समय पर इनकी जानकारी टाटा पावर-डीडीएल बोर्ड को देती रहेगी

टियर 1	• *सीएसआर कमिटी की छमाही समीक्षा*
टियर 2	• सीईओ- तिमाही समीक्षा
टियर 3	• चीफ (कस्टमर एक्सपीरियंस, कमर्शियल एवं एसआईजी) द्विमासिक समीक्षा
टियर 4	• हैड/एचओजी- एसआईजी- मासिक समीक्षा

आकलन प्रक्रिया:

आंतरिक आकलन- सीएसआर टीम आईएमएस प्रक्रियाओं, एनजीओ स्कोर कार्ड, आंतरिक ऑडिट, एसआईजी इफेक्टिवनेस इंडेक्स या एसआईजी प्रभाविता सूचकांक, टीएएपी असेसमेंट रिपोर्ट्स और प्रशिक्षुओं के फीडबैक का टूल्स के तौर पर उपयोग कर वार्षिक आधार पर सीएसआर गतिविधियों की निगरानी और आकलन करती है।

बाहरी आकलन- समुदाय पर इसके समग्र प्रभाव का आकलन करने के लिए कंपनीज़ (कारोबारी सामाजिक दायित्व नीति) संशोधन नियम, 2021 के अनुसार तीन साल में एक बार प्रतिष्ठित अकादमिक संस्थानों/उद्योग

संगठनों/कंसल्टेंट/मार्केट रिसर्च एजेंसियों के साथ मिलकर सीएसआर गतिविधियों का बाहरी आकलन भी किया जाता है।

डीआईआर- डायरेक्ट

टीईआईए- बाहरी क्रियान्वयन एजेंसी के ज़रिए
**यह व्यय नीति में उल्लिखित विभिन्न हैड्स/सीएसआर प्रोग्राम्स/प्रोजेक्ट्स के बीच अदला-बदली से खर्च किया जा सकता है

असाइनमेंट **4:** सीएसआर परियोजना कार्यान्वयन विवरण

सीएसआर मार्गदर्शक सिद्धांत	स. न.	सीएसआर कार्यक्रम/ परियोजनाएं	संदर्भ. एससीएच. का बिंदु सातवीं	कार्यान्वयन के तौर.तरीके	बजट(₹ लाख में) (स्वीकृत)	कार्यान्वयन अनुसूची			
						Q1	Q2	Q3	Q4
उन्नति	1	महिला साक्षरता केंद्र (डब्ल्यूएलसी)	(ii)	TEIA	752	√	√	√	√
	2	आभा कार्यक्रम	(i)	DIR, TEIA		√	√	√	√
	3	विकलांगता परामर्श केंद्र को सहायता - वीएमके	(ii)	TEIA		√	√	√	√
	4	व्यावसायिक प्रशिक्षण कार्यक्रम	(ii)	TEIA		√	√	√	√
	5	ट्यूटोरियल कार्यक्रम	(ii)	TEIA		√	√	√	√
	6	स्वयं सहायता समूह - उद्यमिता विकास कार्यक्रम	(ii)	TEIA		√	√	√	√
	7	धागा परियोजना	(ii)	TEIA		√	√	√	√
	8	प्रोजेक्ट लंच	(ii)	TEIA				√	√
	9		(ii)	TEIA		√	√	√	√

		सामुदायिक जागरूकता कार्यक्रम							
	10	रोशनी- वीटी केंद्र	(ii)	TEIA		√	√	√	√
	11	WLC प्रशिक्षकों के लिए सत्र	(ii)	DIR,TEIA		√	√	√	√
	12	आभा सत्र	(ii)	DIR,TEIA		√	√	√	√
	13	बीडी स्थानों पर सीएसआर- लखनऊ और रांची	(ii)	TEIA		√	√	√	√
	14	ग्रामीण खेल	(vii)	TEIA				√	√
	15	जेजे क्लस्टर में आभा के माध्यम से जागरूकता कार्यक्रम	(ii)	TEIA		√	√	√	√
उज्जवल	16	सरकार में छात्रों के लिए कैरियर परामर्श। स्कूल और सीसीआई	(ii)	TEIA	77.00			√	√
	17	पेशेवर छात्रों को छात्रवृत्ति	(ii)	TEIA		√	√	√	√
	18	डिप्लोमा छात्रों के लिए कौशल वृद्धि प्रशिक्षण	(ii)	TEIA		√	√	√	√
	19	आईटीआई, डिप्लोमा छात्रों को औद्योगिक प्रशिक्षण	(ii)	DIR				√	√
	20	एफएईए के तहत छात्रवृत्ति -टीपीसी मुंबई	(ii)	DIR		√	√	√	√
	21	आईटीआई छात्रों के लिए मेंटर मेंटी प्रोग्राम	(ii)	DIR		√	√	√	√
	22	स्कूलों में छात्राओं के लिए सॉफ्ट स्किल ट्रेनिंग	(ii)	TEIA				√	√
	23	बीपीएस स्तर की रोजगारपरकता प्रशिक्षण	(ii)	TEIA				√	√
संजीवनी	24	रक्तदान शिविर	(i)	DIR, TEIA	129.5	√	√	√	√
	25	मोबाइल डिस्पेंसरी वैन	(i)	TEIA		√	√	√	√
	26	आरओ वाटर प्लांट	(i)	TEIA		√	√	√	√
	27	नि:शुल्क नेत्र शिविर	(i)	DIR, TEIA		√	√	√	√
	28	प्रोजेक्ट आरोग्य	(i)	TEIA		√	√	√	√
	29	गैर संचारी रोग संवेदीकरण सत्र	(i)	TEIA		√	√	√	√
क्लब एनर्जी	30	ऊर्जा,जल और जलवायु संरक्षण और संवेदीकरण सरकारी स्कूलों में सत्र	(iv)	DIR	4		√	√	√
	31	स्कूलों में पौधरोपण पार्क और सोसायटी	(iv)	DIR			√	√	
आपदा प्रबंधन/ अप्रत्याशित आकस्मिकताएं/कोविड के बाद प्रतिक्रिया/दिल्ली सरकार को सहायत	32	आपदा प्रबंधन/अप्रत्याशित आकस्मिकताएं/विड के बाद प्रतिक्रिया(टाटा संस से वित्तीय सहायता के अलावा)	(xii)	DIR/TEIA	163.10	√	√	√	

TATA POWER-DDL								
कुल योग (लाख रुपये में)				**1125.60**				

डीआईआर-डायरेक्ट

टीईआईए - बाहरी कार्यान्वयन एजेंसी के माध्यम से

**व्यय नीति में निर्दिष्ट विभिन्न शीर्षों/सीएसआकार्यक्रमों/परियोजनाओं के बीच विनिमेय है

असाइनमेंट 5: सीएसआर वार्षिक रिपोर्टिंग ढांचा

1	2	3	4	5	6	7	8
संख्या	सीएसआर प्रोजेक्ट/गतिविधि	सेक्टर	1. प्रोजेक्ट/प्रोग्राम स्थानीय क्षेत्र / अन्य 2. राज्य जिला	राशि परिव्यय (बजट) परियोजना/ कार्यक्रम वार	परियोजनाध्कार्यक्रम द्वारा खर्च की गई राशिः 1.जिला 1. 2. ओवर-हेड्स	रिपोर्टिंग अवधि तक का संचयी खर्च	प्रत्यक्ष/कार्यान्वयन के माध्यम से खर्च की गई राशि एजेंसी*
1.							
2.							
3.							

*क्रियान्वयन एजेंसी की विस्तृत जानकारी दें

नोट: सीएसआर को लेकर कई कंपनियों के साथ सहयोग करने की स्थिति में प्रत्येक कंपनी को ऐसे प्रोग्राम्स या प्रोजेक्ट्स की जानकारी अलग-अलग देनी होगी।

1. कंपनी की सीएसआर पॉलिसी का खाका- की जाने वाली गतिविधियों का परिदृश्य और पॉलिसी व प्रोजेक्ट्स/प्रोग्राम्स का वेबलिंक।

2. सीएसआर कमिटी का संयोजन।
3. पिछले तीन वित्त वर्षों का औसत शुद्ध लाभ- 54,780.05 लाख रुपये
4. निर्धारित सीएसआर व्यय यानी उपर्युक्त 3 में बताए गए औसत शुद्ध लाभ का 2%- 1,095.60 लाख रुपये
5. वित्त वर्ष में खर्च:

    1. खर्च की जाने वाली कुल रकम।
    2. बाकी रकम, अगर है तो।
    3. टेबल में खर्च की विस्तृत जानकारी।
6. रकम खर्च नहीं होने की स्थिति में कारण।
7. सीएसआर कमिटी का उत्तरदायित्व बयान कि नीति क्रियान्वयन और निगरानी सीएसआर उद्देश्यों के अनुरूप है लिखित में भी और भावना में भी।
8. सीईओ/एमडी/डायरेक्टर के हस्ताक्षर

असाइनमेंट 6:

सीएसआर कमिटी का संयोजन

सीएसआर कमिटी में निम्नलिखित डायरेक्टर्स हैं:

1. श्री अजय शंकर, चेयरमैन, सीएसआर कमिटी

श्री अजय शंकर (DIN: 01800443) द एनर्जी ऐंड रिसोर्सेज़ इंस्टीट्यूट (टेरी) के एक प्रतिष्ठित फैलो हैं। आपके पास लोक सेवा के लिए कार्य करने का 43 साल से अधिक का बेहतरीन व विविध अनुभव है विशेष तौर पर उद्योग, ऊर्जा और शहरी विकास क्षेत्र में।

आप प्रतिष्ठित भारतीय प्रशासनिक सेवा के सदस्य थे। 1973 बैच के आईएएस अधिकारी श्री अजय शंकर दिसंबर 2009 में भारत सरकार के औद्योगिक नीति एवं संवर्धन विभाग के सचिव के तौर पर सेवानिवृत्त हुए। आपने 2008 के दौरान आई वैश्विक आर्थिक मंदी के समय राहत पैकेज की योजना बनाने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई जिससे

भारतीय अर्थव्यवस्था को कम समय में दोबारा 8% की आर्थिक वृद्धि दर हासिल करने में मदद मिली। महत्वाकांक्षी दिल्ली-मुंबई औद्योगिक गलियारा परियोजना का प्लान भी आपके ही नेतृत्व में बनाया गया। एफडीआई पॉलिसी को और उदार व तर्कसंगत बनाया गया। आप नैशनल प्रोडक्टिविटी काउंसिल और क्वॉलिटी काउंसिल ऑफ इंडिया के चेयरमैन रह चुके हैं व इस दौरान इन संस्थाओं की गतिविधियों में काफी तेज़ी रही। आपने ही इन्वेस्ट इंडिया स्थापित करने की पहल की थी।

आप नवंबर 2011 से नवंबर 2014 नैशनल मैन्युफैक्चरिंग कॉम्पिटिटिवनेस काउंसिल एनएमसीसी के सदस्य सचिव भी रहे हैं। यह एक एडवाइज़री संस्था है जिसके सदस्यों में उद्योगों के दिग्गज, भारत सरकार के महत्वपूर्ण सचिव और प्रतिष्ठित एकेडमिक्स शामिल हैं। एनएमसीसी की कुछ मुख्य सिफारिशों का भारत सरकार ने क्रियान्वयन भी किया है जिसमें नैशनल स्किल मिशन, स्टार्टअप्स को मदद करना, श्रम कानूनों में सुधार और उद्यमों पर नियामकीय बोझ को कम करना। इलेक्ट्रॉनिक्स एवं आईटी हार्डवेयर, रक्षा विनिर्माण, नागरिक विमान, जहाज निर्माण, इलेक्ट्रिक वाहन, स्टील एवं कपड़े में कुछ सिफारिशें काफी महत्वपूर्ण साबित हुई हैं।

विद्युत मंत्रालय में पहले संयुक्त सचिव और फिर अतिरिक्त सचिव की भूमिका में आपने विद्युत अधिनियम, 2003 और उसके नियमों एवं नीतियों को लागू करने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई। इससे विद्युत क्षेत्र के विकास के लिए एक नया उदार ढांचा विकसित हुआ और यह उस समय के सबसे बड़े सुधारों में से एक था। आपने विद्युत क्षेत्र में निजी क्षेत्र की भागीदारी को बढ़ाने में भी महत्वपूर्ण भूमिका निभाई जिनमें अल्ट्रा मेगा पावर प्रोजेक्ट्स भी शामिल थे। आपने ग्रामीण विद्युतीकरण को पूरा करने के प्रोग्राम की संकल्पना और फिर 2005 में इसके क्रियान्वयन में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई। इसके तहत अभी 1,00,000 से अधिक गांवों में बिजली पहुंचाई गई है।

डीआईपीपी में सचिव पद संभालने से पहले आप योजना आयोग में मुख्य सलाहकार थे और पर्यावरण एवं वन, जल एवं स्वच्छता के साथ ही ग्रामीण इन्फ्रास्ट्रक्चर के प्रावधानों को देख रहे थे। आपने इन क्षेत्रों से संबंधित 11वीं पंचवर्षीय योजना तैयार करने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई है।

आप सार्वजनिक क्षेत्र की कई दिग्गज कंपनियों के बोर्ड के सदस्य भी रहे हैं जैसे आईडीबीआई, एक्ज़िम बैंक, एनटीपीसी, एनएचपीसी, पीएफसी और आरईसी। इसके अलावा आप एचएएल और टाटा ग्लोबल बेवरेजेस के बोर्ड में स्वतंत्र निदेशक भी रहे हैं। अभी आप लार्सन ऐंड टुब्रो लिमिटेड के बोर्ड में गैर-कार्यकारी स्वतंत्र निदेशक के तौर पर शामिल हैं। आप आईआरएडीई के भी वरिष्ठ सलाहकार हैं। आप पावर रोल लिमिटेड (यूके की टेक्नोलॉजी कंपनी, वॉशिंगटन बिज़नेस सेंटर 2 टर्बाइन वे, संदरलैंड एसआर5 3 एनज़ेड) के बोर्ड में स्पेशल एडवाइज़र की भूमिका में हैं। आप फाउंडेशन ऑफ एमएसएमई क्लस्टर्स (एफएमसी) के बोर्ड ऑफ ट्रस्टीज़ के चेयरमैन भी हैं।

श्री अरुप घोष, सदस्य, सीएसआर कमिटी

श्री अरुप घोष के पास बिजली क्षेत्र में काम करने का 42 साल का अनुभव है। आप बिजली के ट्रांसमिशन एवं डिस्ट्रिब्यूशन ऑपरेशंस में काफी गहनता से जुड़े रहे हैं जिनमें बिजली यूटिलिटीज़ का पुनर्गठन और उन्हें संस्थागत मज़बूती प्रदान करना शामिल है जिससे वे नियामकीय नियंत्रणों को सहन कर सकें। आपने भारत और मॉरीशस में बिजली यूटिलिटीज़ के साथ काम किया है। शुरुआत में चीफ ऑपरेटिंग ऑफिसर के तौर पर आपने सक्रियता से सीईओ व मैनेजिंग डायरेक्टर का सहयोग किया जिससे दिल्ली के बिजली वितरण कारोबार में बेजोड़ सुधारों की नई कहानी लिखी गई। चीफ टेक्निकल ऑफिसर की भूमिका में आपने सीईओ एवं मैनेजिंग डायरेक्टर को रणनीतिक फैसले लेने और परिचालन, प्रोजेक्ट्स, इंजीनियरिंग, बिज़नेस डेवलपमेंट, कॉन्ट्रैक्ट्स, सुरक्षा, उत्पादन, मानव संसाधन, सिविल, सतर्कता, सुरक्षा, प्रवर्तन, सूचना प्रौद्योगिकी एवं स्वास्थ्य सेवाओं की देखरेख में मदद की।

कंपनी से जुड़ने से पहले श्री घोष केंद्रीय विद्युत बोर्ड, मॉरीशस; कोलकाता में सीईएससी लिमिटेड, द नैशनल इंसुलेटेड केबल कंपनी ऑफ इंडिया लिमिटेड और क्रामप्टन ग्रीव्स लिमिटेड में कार्यरत थे। श्री घोष इंडियन

इंस्टीट्यूट ऑफ टेक्नोलॉजी, खड़गपुर के एलुम्नाई हैं। इसके बाद आपने एडमिनिस्ट्रेटिव स्टाफ कॉलेज ऑफ इंडिया, हैदराबाद (एमडीपी), इंडियन इंस्टीट्यूट ऑफ मैनेजमेंट, कोलकाता (ईडीपी) और ज़ेवियर लेबर रिलेशंस इंस्टीट्यूट, जमशेदपुर (ईडीपी) से सामान्य प्रबंधन का औपचारिक प्रशिक्षण लिया। आपने इंस्टीट्यूट ऑफ पब्लिक-प्राइवेट पार्टनरशिप्स इंक (आईपी3), वॉशिंगटन डी.सी. से नियामकीय मामलों में भी प्रशिक्षण लिया है।

आप टाटा पावर जमशेदपुर डिस्ट्रिब्यूशन लिमिटेड, टीपी सेंट्रल ओडिशा डिस्ट्रिब्यूशन लिमिटेड, टीपी सदर्न ओडिशा डिस्ट्रिब्यूशन लिमिटेड, टीपी वेस्टर्न ओडिशा डिस्ट्रिब्यूशन लिमिटेड और टीपी नर्दन ओडिशा डिस्ट्रिब्यूशन लिमिटेड के बोर्ड के सदस्य भी हैं।

3. श्री संजय कुमार बांगा**,** सदस्य**,** सीएसआर कमिटी

श्री संजय कुमार बांगा (DIN: 07785948) टाटा पावर कंपनी लिमिटेड (“Tata Power”) के प्रेसीडेंट (टीऐंडडी) हैं। मई 2018 में टाटा पावर-डीडीएल के चीफ एग्ज़िक्यूटिव ऑफिसर का पद संभालने से पहले श्री बांगा टाटा पावर-डीडीएल की नेतृत्व टीम के महत्वपूर्ण सदस्य रहे हैं।

बिजली क्षेत्र के दिग्गज और बिजली उत्पादन एवं वितरण कारोबार में करीब तीन दशक का अनुभव रखने वाले श्री बांगा अपने साथ बिजली क्षेत्र की विशेषज्ञता लाए हैं जिनमें ऑपरेशनल टेक्नोलॉजीज़, प्रोजेक्ट मैनेजमेंट, यूटिलिटी बिज़नेस प्रोसेस रिइंजीनियरिंग और नियामकीय माहौल शामिल हैं जो बिजली यूटिलिटीज़ को मज़बूत बनाने के लिए आवश्यक हैं जिससे वे नियामकीय व्यवस्था के तहत विश्वसनीयता और एटीऐंडसी घटाने का लक्ष्य हासिल कर सकें। भारत में सार्वजनिक एवं निजी क्षेत्र की अग्रणी बिजली यूटिलिटी कंपनियों के साथ काम करने से उन्होंने जो कुछ सीखा उसने उन्हें भारत और विदेश में बिजली वितरण कारोबार के सामने मौजूद बड़ी चुनौतियों से निपटने में सक्षम बनाया। इस विषय पर उनकी गहरी समझ के कारण ही अक्सर वे भारत और विदेशों में होने वाले सेमिनारों/वर्कशॉप्स/पैनल चर्चाओं में शामिल होते हैं।

श्री बांगा जुलाई 2003 से टाटा पावर-डीडीएल के साथ जुड़े हुए हैं और वह उस समूह का हिस्सा थे जिसने संकट से जूझ रही वितरण कंपनी को एक बेंचमार्क यूटिलिटी के रूप में विकसित किया है। श्री बांगा का मानना है कि एक सफल कंपनी और उसके प्रतिस्पर्धियों में अंतर योजनाओं को प्रभावी ढंग से लागू करने का होता है और एक लीडर को योजनाओं के क्रियान्वयन में भी उतना ही सक्रिय होना चाहिए जितनाा वह रणनीति बनाने में होता है।

श्री बांगा ने अपने करियर की शुरुआत नैशनल थर्मल पावर कॉर्पोरेशन एनटीपीसी के साथ एक इंजीनियर प्रशिक्षु के तौर पर की थी और वह सुपर थर्मल पावर प्रोजेक्ट्स (1989 से 1995 तक) के ऑपरेशन व कमिशनिंग से जुड़े रहे। टाटा पावर-डीडीएल से जुड़ने से पहले श्री बांगा ने रिलायंस एनर्जी पूर्व में बीएसईएस लिमिटेड के साथ 1996 से 2003 तक काम किया जहां वह बिजली उत्पादन गतिविधियों से जुड़े थे जिनमें ऑपरेशंस, मेनटेनेंस, प्लानिंग, डिज़ाइन और प्रोजेक्ट इंजीनियरिंग जैसे पहलू भी शामिल थे।

श्री बांगा नैशनल इंस्टीट्यूट ऑफ टेक्नोलॉजी (एनआईटी) कुरुक्षेत्र के एलुम्नाई हैं। उन्होंने फैकल्टी ऑफ मैनेजमेंट स्टडीज़ (एफएमएस) दिल्ली से एमबीए किया है। वह ब्यूरो ऑफ इंडियन स्टैंडर्ड्स (बीआईएस) LITD10 कोर

कमिटी के सदस्य हैं जो पावर सिस्टम कंट्रोल और कम्युनिकेशन के लिए मानक परिभाषित करती है। आपने बेहद प्रतिष्ठित हार्वर्ड बिज़नेस स्कूल से सीनियर एग्ज़ीक्यूटिव लीडरशिप प्रोग्राम सफलतापूर्वक पूरा किया है।

श्री बांगा टाटा पावर ट्रेडिंग कंपनी लिमिटेड, टाटा प्रोजेक्ट्स लिमिटेड, टीपी सेंट्रल ओडिशा डिस्ट्रिब्यूशन लिमिटेड, टीपी सदर्न ओडिशा डिस्ट्रिब्यूशन लिमिटेड, टीपी वेस्टर्न ओडिशा डिस्ट्रिब्यूशन लिमिटेड और टीपी नर्दन ओडिशा डिस्ट्रिब्यूशन लिमिटेड के बोर्ड में भी निदेशक हैं।

4. श्री अजित कुमार सिंह**,** सदस्य**,** सीएसआर कमिटी

आईएएस का सदस्य होने के नाते श्री अजित कुमार सिंह (DIN: 08628370) ने सार्वजनिक क्षेत्र में प्रबंधन से जुड़े विभिन्न मामलों पर काम किया है। उनकी जिम्मेदारियों में ज़िले में ज़मीनी स्तर पर प्रशासन देखने से लेकर आबकारी, मनोरंजन एवं लग्ज़री टैक्स डिपार्टमेंट के प्रमुख का पद संभालना तक शामिल है। आपने मंत्री के सचिव के तौर पर भी काम किया है जिसमें आपने नीति निर्धारण में मदद की। आपको नैशनल प्लानिंग बोर्ड के सचिव श्री नूर मोहम्मद, आईएएस, के नेतृत्व में लंदन, पेरिस, सैन फ्रांसिस्को में रीजनल रैपिड रेलवे सिस्टम को पढ़ने का अनूठा अवसर भी मिला। आप भारत सरकार के उस प्रतिनिधिमंडल का हिस्सा थे जो वैट के डिज़ाइन और व्यवस्था को पढ़ने के लिए लंदन, ब्रसेल्स, रोम, बैंकॉक और सिंगापुर गया था। झुग्गियों के कायाकल्प और जल एवं स्वच्छता मास्टर प्लान को लेकर एशियन डेवलपमेंट बैंक द्वारा प्रायोजित स्टडी टूर के तहत आपने मनीला और हॉन्ग कॉन्ग का भी दौरा किया।

आपने मैनेजमेंट ऐंड डेवलपमेंट सेंटर, शेपर्ड्सटाउन, वेस्ट वर्जिनिया, अमेरिका से "डाइनैमिक्स ऑफ पब्लिक पॉलिसी" में कोर्स किया है। सरकार के विभिन्न विभागों में विभिन्न पदों पर काम करने से आपको सभी सरकारी व्यवस्था एवं प्रक्रियाओं जिनमें नियामकीय, भूमि प्रबंधन, वित्तीय तंत्र, नगर निगम एवं राज्य कानून इत्यादि की करीब से जानकारी का अनूठा अनुभव मिला। आप फैसले लेने वाले नेटवर्क का हिस्सा रहे हैं।

केंद्र शासित प्रदेश दादरा एवं नागर हवेली में स्वास्थ्य सचिव के रूप में किए गए इनोवेटिव कार्यों के लिए गृह मंत्रालय ने 2009 में श्री सिंह का नाम किसी अधिकारी द्वारा लोक प्रशासन में उत्कृष्ट प्रदर्शन के प्रधानमंत्री पुरस्कार के लिए भी भेजा था। आपके सचिव टैक्सेशन व आयुक्त आबकारी पद रहते हुए 2011-12 में विभाग ने एक्साइज़ राजस्व में करीब ₹2500 करोड़ कमाए जो पिछले 20 वर्षों में सबसे अधिक था।

श्री सिंह ने स्वास्थ्य, शिक्षा, ग्रामीण विकास में सचिव पद, पर्यटन में विशेष सचिव और डीऐंडएनएच डेचलपमेंट अथॉरिटी में चेयरमैन के पद पर काम किया है। आपने एनसीटी ऑफ दिल्ली सरकार के वित्त एवं राजस्व, शिक्षा, उच्च शिक्षा मंत्री के सचिव; एनसीटी ऑफ दिल्ली सरकार के शिक्षा, परिवहन एवं पर्यटन मंत्री के सचिव और एनसीटी ऑफ दिल्ली सरकार के परिवहन विभाग में विशेष सचिव के तौर पर भी काम किया है।

5. श्री जैसमीन शाह, सदस्य, सीएसआर कमिटी

श्री जैसमीन शाह (DIN: 08621290) एनसीटी ऑफ दिल्ली के डायलॉग एवं डेवलपमेंट कमीशन के वाइस चेयरपर्सन हैं। श्री शाह के पास अर्बन गवर्नेंस व पॉलिसी मामलों पर काम करने का व्यापक अनुभव है और वह 2016 से शिक्षा बजट पारदर्शिता और परिवहन नीति सुधारों पर राष्ट्रीय राजधानी क्षेत्र की दिल्ली सरकार को सलाह दे रहे हैं। 2017-18 में दिल्ली के पहले समग्र आउटकम बजट के सूत्रधार श्री शाह ही थे। यह भारत में जन व्यय में पूरी पारदर्शिता व जवाबदेही लाने की अनूठी पहल थी।

आपने दिल्ली सरकार के कई महत्वपूर्ण परिवहन सुधारों पर भी काम किया है जैसे इलेक्ट्रिक व्हीकल पॉलिसी, कॉमन मोबिलिटी कार्ड, बस मार्गों को तर्कसंगत बनाना और आखिरी मील तक कनेक्टिविटी उपलब्ध कराने की पहल, व्यापक स्तर पर इलेक्ट्रिक बसों को शामिल करना व अन्य। श्री शाह मैसाचुसेट्स इंस्टीट्यूट ऑफ टेक्नोलॉजी की जमील पॉवर्टी ऐक्शन लैब (जे-पीएएल) में भी काम कर चुके हैं जहां वह साउथ एशिया ऑफिस के डिप्टी डायरेक्टर थे और उससे पहले आप जनाग्रह सेंटर फॉर सिटिज़नशिप ऐंड डेमोक्रेसी में भी कार्यरत थे।

श्री शाह के पास आईआईटी मद्रास से मैकेनिकल इंजीनियरिंग में बी.टेक और एम.टेक की डिग्री और कोलंबिया यूनिवर्सिटी, न्यूयॉर्क के स्कूल ऑफ इंटरनैशनल ऐंड पब्लिक अफेयर्स से एमपीए की डिग्री है जहां वह फुलब्राइट-नेहरू फैलो थे।

श्री शाह बीएसईएस यमुना पावर लिमिटेड, बीएसईएस राजधानी पावर लिमिटेड और इंद्रप्रस्थ मेडिकल कॉर्पोरेशन लिमिटेड के बोर्ड में निदेशक भी हैं।